MPHIN/2009/34626

यशोन्नति

दैनिक यशोन्नति की और खबरों एवं ई पेपर के लिये लॉग इन करें https://dainikyashonnati.com एप डाउनलोड करें

वर्ष 8+16 अंक 75 | प्रधान संपादक- राजेश अग्रवाल | yasonati@gmail.com | सिवनी बुधवार 22 नवंबर 2023 | संपादक-मनोज मर्दन त्रिवेदी | मूल्य 1.50 पृष्ठ-4

पृष्ठ-3 बालाघाट समाचार

पृष्ठ-4 मंडला समाचार .....

कमलनाथ की हार-जीत पर शर्त लग रही, दस ला । की शर्त का लेटर वायरल

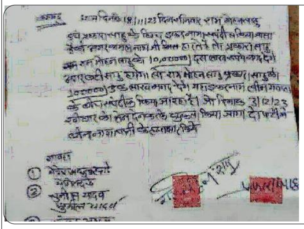

छिंदवाड़ा -विधानसभा चुनाव के मतदान समाप्त हो चुके है परंतु मतगणना 03 दिसंबर को राजनैतिक रूचि वाले व्यक्ति जीत हार के दावे अपने अपने हिसाब से कर रहे है । दावे करने वाले प्रदेश हाई प्रोफाइल सीट छिंदवाड़ा पर दस दस लाख की बाजियाँ लगा रहे है और इस आशय के पत्र सोशल मीडिया पर वायरल भी हो रहे है । जीत हार के दावे जिस तरह से समर्थक कर रहे है वह चिंता का विषय भी हो सकता है और दावे बड़ी मुश्किल के कारण भी बन सकते है । विधानसभा चुनाव के बाद पूरे प्रदेश की नजर प्रदेश की कुछ चुनिंदा सीटों पर रहने वाली है और ऐसी एक सीट छिंदवाड़ जिले की छिंदवाड़ा भी है, जहाँ से प्रदेश पूर्व मु यमंत्री कांग्रेस प्रदेश प्रदेश के अध्यक्ष और कांग्रेस की ओर से मु यमंत्री का चेहरा कमलनाथ चुनाव लड़ रहे है औरइनके विरोध में भाजपा ने विवेक बंटी साहू को उतारा है । इन दोनों ही नेताओं के बीच हार-जीत को लेकर तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं. इस बीच एक ऐसा मामला सामने आया है, जिससे हर कोई हैरान है और यह खबर प्रदेश में सुर्खियों में है ।

दरअसल, छिंदवाड़ा में दो व्यापारियों ने दोनों पार्टियों के नेताओं की हार जीत को लेकर 10 लाख रुपये की शर्त लगाई है. इसको लेकर सोशल मीडिया पर एक लेटर वायरल हो रहा है. बता दें कि, इस लेटर में प्रकाश साहू और राम मोहन साहू का नाम लिखा हुआ है और इस पर रसीद भी चस्पा की गई है, जिस पर कमलनाथ और बंटी साहू की हार जीत को लेकर जो शर्त लगाई गई है उसका जिक्र है.

10 लाख रुपये की लगी शर्त

बता दें कि, मतदान खत्म होने के बाद कांग्रेस से जुड़े ठेकेदार प्रकाश साहू के लेटर पैड पर हार जीत की शर्त का मैटर तेजी से वायरल हो रहा है. इसमें लिखा गया है कि, यदि चुनाव में कमलनाथ हारते है तो प्रकाश साहू शर्त के मुताबिक 10 लाख रुपये राम मोहन साहू को देंगे. वहीं अगर विवेक बंटी साहू यदि हारते है तो राम मोहन साहू प्रकाश साहू को एक लाख रुपये 3 दिसंबर को देंगे.

तीन गवाहों ने किया साइन

वहीं व्यापारियों के बीच शर्त वाले इस लेटर पैड में बकायदा राजस्व टिकट लगाकर दोनों ही पक्षों ने साइन भी किए हैं. इसके साथ ही तीन गवाहों के साइन भी कराए गए हैं. अब यह शर्त वाला लेटर पैड सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसको लकेर हैरानी भी जताई जा रही है. बता दें कि, जीत हार की शर्त लगाने वाले दोनों पक्ष साहू समाज से हैं

खेतों में हो गयी बोनी, पानी नहीं मिलने से किसान हो रहे परेशान

नहर की सफाई स्वयं कर रहे किसान, ताकि मिल सके पर्याप्त पानी

कान्हीवाड़ा यशोः- फिर पानी को लेकर किसान परेशान हो रहा है । जुरतारा माइनर की वर्षो से सफाई न होने के कारण किसानों को पानी पर्याप्त मात्रा में नहीं पहुंच पा रहा है विभाग की उदासीनता के कारण किसानों को स्वयं नहर की सफाई करनी पड़ती है जिससे आए दोनों विवाद का कारण भी बनता है जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री एम नईम खान सिंचाई विभाग के अधिकारियों सहित जिला कले टर सिवनी महोदय से आग्रह किया है कि समय रहते नहर को दुरुस्त कर करने को लेकर उचित पहल करें जिससे किसानों को समय पर पर्याप्त मात्रा में पानी मिल सके नहर के दुरुस्त न होने के कारण प्रत्येक वर्ष किसानों को पानी की समस्या उठानी पड़ती है कहीं से नहर टूट रहे हैं रही हैं तो कहीं अधिक कचरा हो जाने के कारण पानी आगे नहीं जा पा रहा जिससे आए दिनों किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता इसका जीता जाता उदाहरण जोरतरह माइनर सहित मु य नहर पर भी देखा जा सकता है अधिक कचरा हो जाने के कारण कहीं से भी टूट जाती है मु य नहर जिससे शासन प्रशासन का भारी नुकसान हो जाता और किसानों को पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं मिल पाता समय रहते हुए इस पर तत्काल उचित कार्रवाई की माहिती आवश्यकता

मौसम के बदलते मिजाज ने धान उत्पादक किसानों की बढ़ाई चिंता

सुबह से खिलती है धूप, दोपहर बाद आसमान में बादलों का डल जाता है डेरा

सिवनी यशोः- इन दिनों मौसम के करवट बदलते ही अन्नदाताओं की मुश्किलें बढने लगी है, बीते लगभग दो-तीन दिनों से दिन में धूप के साथ बादलों की अटखेली और शाम होते-होते बादलों छा रहे है, बीते सोमवार और आज मंगलवार को भी अपरान्ह बाद बादल छा गए।

मौसम के मिजाज को देखते हुए किसानों का कहना रहा कि इन दिनों युद्धस्तर पर धान कटाई के साथ गहाई का काम शुरू है। उत्तरी हवाओं के चलते आगामी कुछ दिनों में मौसम विभाग द्वारा बारिश की संभावना व्यक्त की गई है। यदि विक्षोभ के असर के कारण बेमौसम बारिश होती है तो किसानों को बेहद ही परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। ह ते भर सेमौसम में उतार चढ़ाव देखने को मिल रहा है। दिवाली पर जहां मौसम में शुष्कता आने लगी थी, वहीं सप्ताह भर से दिन के तामपान में बढ़ोत्तरी एवं रात्रि में पारे में गिरावट दर्ज की जारही है। मौसम की बेरूखी ने किसानों की बेचैनी बढ़ा रही है। मौसम के बदलते मिजाज से दलहन फसल पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। दलहन फसल पर कीट व्याधि की संभावना बढ़ गई है। सप्ताह भर से बदरीला मौसम है, हल्की धूप भले ही खिल रही है, मौसम पूरी तरह से साफ नही हुआ है।बारिश हुई तो प्रभावित होगी धान की खरीदी मौसमविदो से मिल रहे अपडेट को लेकर किसानों का कहना है कि यदि नवंबर के अंतिम सप्ताह और दिस बर महीनेमें बेमौसम बारिश होगी तो यह भले ही रबी फसल के लिए संजीवनी साबित होगी लेकिन इस बारिश से अगले महीने शुरू होने वाली समर्थन मूल्य पर धान कीखरीदी का काम काफी हद तक प्रभावित होने की संभावनाओं से इंकार नही किया जा सकता है। खेतों में जहां-तहां खलिहान में धान के बोझे भी रखे हैं।समर्थन मूल्य पर धान खरीदी र्की तैयारी सुस्त

जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की तैयारी पूरी तरह से सुस्त देखने को मिल रही है। सोसाइटियों में प्रारंभिक तौर पर किसी प्रकार की तैयारी देखने को नही मिल पा रही है। न तो सोसायटियों में अभी बारदानें पहुंचे है और न ही केन्द्रों पर सुचारू व्यवस्था की जा रही है। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी में हो रहे विलंब को लेकर जिले का किसान चिन्तित है और उन्हें मजबूरन औने-पौने दामों में मंडी और बिचौलियों को अपनी उपज बेचना पड़ रहा है।

जर्जर नहरों से परेशान किसानों ने सौंपा ज्ञापन

सिवनी यशोः- सिवनी जिले के केवलारी विधानसभा अंतर्गत कई ग्रामों के लोग जर्जर नहर के कारण काफी परेशान है।` योंकि किसानों ने बोनी कर ली है, लेकिन पानी न मिलने के कारण फसल नष्ट होने की संभावना बनी हुई है। इसको लेकर आज बड़ी सं या में किसान जिला कले टर एवं जल संसाधन के अधिकारियों को ज्ञापन सौंपने पहुंचे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, संजय सरोवर जलाशय की अतिरिक्त तिलवारा बांई तट नहर संभाग केवलारी के सुनवारा से, भसूडा पिपरिया, बंगहाई, माल्हनवाड़ा रामखेरी, घटेरी की ओर निर्माण की गई हैं। जो बरसात में जगह-जगह से टूट गई हैं। जिसे शीघ्र सुधार कर पानी की सुविधा दी जाए। वही किसानों ने आरोप लगाते हुए कहा कि नहर गुणवत्ताविहीन निर्माण होने से प्रति वर्ष बरसात में फूट जाती है। ग्रामों में बनी नहर में जंगल, नाला तथा खेतो का ओवर फिलो पानी नहर में ही गिर रहा है। जिससे नहर का कटाव हो रहा है। और नहर में पुराव के कारण नहर का गहरीकरण कम हो रहा है। सालीवाडा,भसूडा पिपरिया के बीच झिंझरी बांध बना है, जिसका पानी तिलवारा नहर में देना है। किसानों ने यह भी बताया कि नहर के सुधार किए जाने के लिए संबंधित अधिकारियों को कई बार अवगत कराया गया। लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई। जिसके कारण किसानों को नुकसान उठाना पड़ रहा है। और आज अधिकारियों से शिकायत करने आना पड़ा। यदि शीघ्र समस्या का समाधान नही हुआ तो उग्र आंदोलन किया जाएगा।

25 नेत्र रोगियों को निःशुल्क आपरेशन के लिये भेजा जबलपुर

सिवनी यशोः- देवाजी नेत्रालय जबलपुर के अनुभवी चिकित्सको द्वारा रजवाड़ा लॉन में मंगलवार 21 नवंबर को बड़ी मात्रा में नेत्र रोगियों का नेत्र परीक्षण कर 25 मरीजो को मोतियाबिंद के ऑपरेशन हेतु जबलपुर ले जाया गया।

उल्लेखनीय है कि रजवाड़ा लॉन में ही नगर की सेवाभावी संस्थाऐ सक्षम भारत और श्री रामदल समिति के माध्यम से बीते 08 वर्षो से इस निःशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन किया जा रहा है जिसमे हजारों मरीजो के मोतियाबिंद के सफल ऑपरेशन किये जा चुके है । मोतियाबिंद परीक्षण के लिये हर माह की 21 तारीख को शिविर का आयोजन रजवाड़ा लॉन में किया जाता है । जिसमें कुशल चिकित्सक परीक्षण नेत्र रोगियों को लेकर जाते है और उन्हें आँखों की रोशनी प्रदान करते है । इसी क्रम में मंगलवार 21 नवंबर को आयोजित शिविर में लगभग 150 नेत्र रोगियों की आँखों का परीक्षण किया गया जिसमें 25 रोगियों को आरेशन के उपयुक्त पाया गया शेष सभी को चिकित्सकीय परामर्श और आवश्यक सावधानियाँ एवं दवाईयाँ प्रदान की गयी । सक्षम भारत के मनीष अग्रवाल तथा श्री रामदल के ओमप्रकाश अग्रवाल ने बताया कि रजवाड़ा में आज आयोजित निःशुल्क नेत्र शिविर में बड़ी सं या में मरीज शामिल होकर अपने नेत्रों का परीक्षण करवाया मरीजो को संस्था की ओर से स्वल्पाहार कराया गया और परीक्षण के बाद 25 मरीज जिन्हें मोतियाबिंद ऑपरेशन की आवश्यकता थी उन्हें संस्था के वाहन ने बैठालकर देवाजी नेत्रालय जबलपुर ले जाया गया वहाँ अगले दिन मरीजो का ऑपरेशन कर वापस उन्हें सिवनी लेकर छोड़ा जावेगा।

आंवला नवमी पर पूजन एवं पिकनिक का हुआ आयोजन

सिवनी यशोः-आंवला नवमीं के साथ मंगलवार से वनभोज का सिलसिला शुरू हो गया। जिले के अनेक धार्मिक स्थलों पर लगे हुये आंवला के वृक्षों का मंगलवार को श्रद्धा भक्ति भाव के साथ पूजन किया गया । और आज के इस पर्व पर भगवान शिव, विष्णु एवं माता लक्ष्मी का पूजन कर परिवारें एवं युवाओं ने आंवला वृक्ष के नीचे बैठकर भोजन किया । जिले भर के पिकनिक स्थलों में वन भोज करने वालों की भीड़ रही। श्रद्धालुओं ने अलसुबह से नदी एवं घरों में स्नान कर मंदिरों में की पूजा अर्चना की। आवंला नवमीं के अवसर पर मठ मंदिर, महादेव, शनिमंदिर, वैष्णोदेवी धाम सीलादेही, सूर्यमंदिर अंबा माई सहित बैनंगगा के किनारे बड़ी सं या में लोग पिकनिक मनाने पहुंचे थे। अनेक पिकनिक स्थानों में मेला जैसे माहौल रहा। अलग - अलग टोलियों में लोग वन भोजन के लिए लोग पिकनिक स्थानों में पहुंचे थे। सुबह से लोग वन के लिए अपना स्थान सुरक्षित रखने पहुंचे थे। शहर में बहुत से लोगों ने समूह में घर के आंगन में लगे आंवला पेड़ के नीचे भी भोजन किया।

बैनगंगा के तट पर महिला मंडल ने गोपाष्टमी पर किया धार्मिक आयोजन

भगवान सत्यानारायण की कथा, गौ पूजन एवं गंगा जी को चुनरी भेंट की

सिवनी यशो :- कार्तिक मास गोपाष्टमी के पावन पर्व पर बैनगंगा जी के तट लखनवाड़ा में विगत दो वर्षो से सिवनी क्षेत्र की समस्त महिला मण्डल के द्वारा, गोपाष्टमी कर गौ पूजन, भगवान सत्य नारायण व्रत कथा एवं माता गंगा को चुनरी भेंट करने का आयोजन किया जाता है इस वर्ष भी 20 नबंवर सोमवार कार्तिक मास तिथि गोपाष्टमी के पावन पर्व पर गौ पूजन भगवान सत्यनारायण जी की व्रत कथा एवं माता गंगा को श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ चुनरी भेंट की गयी इस कार्यक्रम में लगभग 150 मातृशक्ति ने सहभागिता की और पूर्ण विधि विधान से सभी धार्मिक कार्यक्रमों को सामूहिक रूप से भगवान लक्ष्मी नारायण मंदिर के प्रधान पुजारी आचार्य हेमंत त्रिवेदी के आर्चात्व में अनेक ब्राह्मणों द्वारा शास्त्रोक्त विधि विधान से संपन्न कराया गया । माता बैनगंगा के तट पर मां गंगा जी का पूजन, गौ पूजन,आँवला पूजन, तुलसी जी का पूजन, गीतापाठ,भगवान सत्यनारायण जी का पूजन एवं कथा का वाचन लक्ष्मी नारायण मंदिर के प्रधान पुजारी हेमन्त त्रिवेदी जी एवं सहयोगी ब्राह्मणों के द्वारा स पन्न कराया गया तथा मां बैनगंगा को चुनरी भेंट भेंट के उपरांत महाप्रसाद का वितरण किया गया । सत्यनारायण व्रत कथा महिला मंण्डल समिति द्वारा आयोजित किया था इस कार्यक्रम में सिवनी नगर सहित अनेक ग्रामीण माताएँ बहिने शामिल हुई । सभी अपने साथ पूजन सामग्री लेकर पहुँची थी । पूर्ण आस्था के साथ सर्वजन्य हिताय इस आयोजन के पश्चात समस्त महिला मंडल के साथ ग्रामीण जनों ने महाप्रसाद ग्रहण किया ।

इस कार्यक्रम को संपन्न कराने के लिये पंडित हेमंत त्रिवेदी के साथ रविकांत शास्त्री एवं अनेक ब्राह्मण शामिल थे । आयोजक महिला मंडल को ग्रामीणों ने सराहनीय सहयोग प्रदान किया ।

श्रद्धा एवं भक्ति भाव से मनायी गयी भगवान सहस्त्रबाहु जी की जयंती

बरघाट यशोः - हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी कार्तिक माह शु ल पक्ष की सप्तमी तिथि मे भगवान विष्णु के सुदर्शन चक्र के अवतार भगवान राजराजेश्वर श्री सहस्त्रबाहु जी की जयंती पुरे हर्ष व उल्लास के साथ बरघाट के कलचुरी समाज के द्वारा मनाई गई। इस अवसर बरघाट कलचुरी समाज के सभी पदाधिकारियों सहित, सजातीय जनों ने पूर्ण श्रद्धा एवं उत्साह से अपने आराध्य श्री की पूजा अर्चना करके भगवान सहस्त्रबाहु की कथा का भक्ति भाव से श्रवण किया तथा हवन में आहुति डालकर अपने आराध्य की आरती- स्तुति किया।

इस अवसर पर कलार समाज के सभी वरिष्ठ जनों के साथ-साथ मातृ शक्तियों ने भारी सँ या में शामिल होकर अपने आराध्य देव की पूर्ण श्रद्धा व भक्ति के साथ आराधना करते हुऐ धर्म लाभ लिया।

इस अवसर पर शिक्षा, खेलकूद एवं सांस्कृतिक क्षेत्र में सफलता प्राप्त करके कलचुरी समाज को गौरवान्वित करने वाले सभी बच्चों को स मानित किया गया। इनमें कक्षा 12 की बोर्ड परीक्षा में उच्चतम अंक पाने वाली ऋषिका जायसवाल, बॉ संग में स्टेट टूर्नामेंट में सफलता पाने वाली दिशा जायसवाल, वेट लिंि टंग में जिले में सफलता पाने वाले रूद्राक्ष सूर्यवंशी, तथा भाषण प्रतियोगिता में सफलता पाने वाली खुशी सूर्यवंशी, टेबिल टेनिस में सफलता के लिए कान्हा सूर्यवंशी को स मानित किया गया।

इस पूरे कार्यक्रम का सफल संचालन डो टर प्रज्ञा सूर्यवंशी ने किया तथा अंत में सभी सजातीय जनों का आभार प्रदर्शन अध्यक्ष सुरेन्द्र जायसवाल के द्वारा किया गया।

भगवान विष्णु के शयनकाल से जागते ही शुरू हो जाएंगे मांगलिक कार्यक्रम

दीपावली के बाद कार्तिक मास शु ल पक्ष की एकादशी तिथि को देवोत्थान एकादशी कहते हैं, आम बोलचाल की भाषा इसे देवउठनी ग्यारस भी कहा जाता है। देवोत्थान एकादशी की तिथि को श्री हरि विष्णु का चतुर्मास संपन्न होता है। कहा जाता है कि भगवान विष्णु निद्रा से जाग जाते हैं। इस दिन तुलसी-शालिग्राम विवाह का आयोजन किया जाता है और इसी के साथ सामाजिक शुभ कार्यों की शुरुआत हो जाती है।

इस साल देवउठनी एकादशी का व्रत 23 नवंबर को रखा जाएगा। हिंदू धर्म में देवउठनी एकादशी का खास महत्व है। हर साल कार्तिक शु ल पक्ष की एकादशी तिथि को देवोत्थानी एकादशी मनाने का विधान है। देवउठनी एकादशी को देवोत्थानी एकादशी और प्रबोधिनी एकादशी के नाम से भी जाना जाता है। शास्त्रों में इस एकादशी का बड़ा ही महत्व है। देवउठनी एकादशी के दिन विशेष रूप से भगवान विष्णु की पूजा-अर्चना की जाती है। बता दें कि देवोत्थानी एकादशी के दिन चातुर्मास भी समाप्त हो जाएंगे।

दरअसल, आषाढ़ शु ल पक्ष की हरिशयनी एकादशी से चातुर्मास की शुरुआत हुई थी। ये चातुर्मास कार्तिक शु ल पक्ष की एकादशी तक होते हैं। चातुर्मास के दौरान भगवान विष्णु का शयनकाल होता है। इन चार महीनों के दौरान विवाह आदि सभी शुभ कार्य बंद होते हैं। चूंकि 23 नवंबर को कार्तिक शु ल पक्ष की एकादशी को चातुर्मास स पूर्ण हो जाएंगे। अतः इस दिन से शादी-ब्याह आदि सभी मांगलिक कार्य फिर से शुरू हो जाएंगे।

देवप्रबोधिनी एकादशी, देवोत्थान एकादशी, देवउठनी ग्यारस की कथा

एक राजा था। उसके राज्य में प्रजा सुखी थी। एकादशी को कोई भी अन्न नहीं बेचता था। सभी फलाहार करते थे। एक बार भगवान ने राजा की परीक्षा लेनी चाही। भगवान ने एक सुंदरी का रूप धारण किया तथा सड़क पर बैठ गए। तभी राजा उधर से निकला और सुंदरी को देख चकित रह गया। उसने पूछा- हे सुंदरी! तुम कौन हो और इस तरह यहां यों बैठी हो?

तब सुंदर स्त्री बने भगवान बोले- मैं निराश्रिता हूं। नगर में मेरा कोई जाना-पहचाना नहीं है, किससे सहायता मांगू? राजा उसके रूप पर मोहित हो गया था। वह बोला- तुम मेरे महल में चलकर मेरी रानी बनकर रहो।

सुंदरी बोली- मैं तु हारी बात मानूंगी, पर तु हें राज्य का अधिकार मुझे सौंपना होगा। राज्य पर मेरा पूर्ण अधिकार होगा। मैं जो भी बनाऊंगी, तु हें खाना होगा।

राजा उसके रूप पर मोहित था, अतः उसकी सभी शर्तें स्वीकार कर लीं। अगले दिन एकादशी थी। रानी ने हु म दिया कि बाजारों में अन्य दिनों की तरह अन्न बेचा जाए। उसने घर में मांस-मछली आदि पकवाए तथा परोस कर राजा से खाने के लिए कहा। यह देखकर राजा बोला- रानी! आज एकादशी है। मैं तो केवल फलाहार ही करूंगा।

तब रानी ने शर्त की याद दिलाई और बोली- या तो खाना खाओ, नहीं तो मैं बड़े राजकुमार का सिर काट दूंगी। राजा ने अपनी स्थिति बड़ी रानी से कही तो बड़ी रानी बोली- महाराज! धर्म न छोड़ें, बड़े राजकुमार का सिर दे दें। पुत्र तो फिर मिल जाएगा, पर धर्म नहीं मिलेगा।

इसी दौरान बड़ा राजकुमार खेलकर आ गया। मां की आंखों में आंसू देखकर वह रोने का कारण पूछने लगा तो मां ने उसे सारी वस्तुस्थिति बता दी। तब वह बोला- मैं सिर देने के लिए तैयार हूं। पिताजी के धर्म की रक्षा होगी, जरूर होगी।

राजा दुःखी मन से राजकुमार का सिर देने को तैयार हुआ तो रानी के रूप से भगवान विष्णु ने प्रकट होकर असली बात बताई- राजन! तुम इस कठिन परीक्षा में पास हुए। भगवान ने प्रसन्न मन से राजा से वर मांगने को कहा तो राजा बोला- आपका दिया सब कुछ है। हमारा उद्धार करें। उसी समय वहां एक विमान उतरा। राजा ने अपना राज्य पुत्र को सौंप दिया और विमान में बैठकर परम धाम को चला गया। इस प्रकार जो भी मनुष्य धर्म की रक्षा के लिए किसी भी प्रकार के त्याग के लिए तैयार होता है भगवान विष्णु उसे अपने धाम में विशेष स्थान देते हैं। बोलो, श्री हरि विष्णु भगवान की जय।

देवउठनी एकादशी 2023 तिथि, शुभ मुहूर्त और पारण का समय

देवउठनी एकादशी तिथि प्रारंभ- 22 नवंबर 2023 को रात में 11 बजकर 3 मिनट से

देवउठनी एकादशी तिथि समाप्त- 23 नवंबर 2023 को रात में 9 बजकर 1 पर मिनट पर

देवउठान एकादशी व्रत तिथि- 23 नवंबर 2023

देवउठान एकादशी व्रत पारण समय- 24 नवंबर 2023 को सुबह 6 बजे से 8 बजकर 13 मिनट तक

शिव पुराण के अनुसार चार महीने योग निद्रा में रहते हैं भगवान विष्णु

शिवपुराण के मुताबिक, भाद्रपद मास की शु ल एकादशी को भगवान विष्णु ने दैत्य शंखासुर को मारा था। भगवान विष्णु और दैत्य शंखासुर के बीच युद्ध लंबे समय तक चलता रहा। युद्ध समाप्त होने के बाद भगवान विष्णु बहुत अधिक थक गए। तब वे क्षीरसागर में आकर सो गए।

उन्होंने सृष्टि का कार्यभार भगवान शिव को सौंप दिया। इसके बाद कार्तिक शु लपक्ष की एकादशी को जागे। तब शिवजी सहित सभी देवी-देवताओं ने भगवान विष्णु की पूजा की और वापस सृष्टि का कार्यभार उन्हें सौंप दिया। इसी वजह से कार्तिक मास के शु ल पक्ष की एकादशी को देवप्रबोधिनी एकादशी कहा जाता है।

वामन पुराण के अनुसार 4 महीने राजा बलि के महल में रहते हैं भगवान विष्णु

वामन पुराण के मुताबिक, भगवान विष्णु ने वामन अवतार में राजा बलि से तीन पग भूमि दान में मांगी थी। उन्होंनें विशाल रूप लेकर दो पग में पृथ्वी, आकाश और स्वर्ग लोक ले लिया। तीसरा पैर बलि ने अपने सिर पर रखने को कहा। पैर रखते ही राजा बलि पाताल में चले गए।

भगवान ने खुश होकर बलि को पाताल का राजा बना दिया और वर मांगने को कहा। बलि ने कहा आप मेरे महल में निवास करें। भगवान ने चार महीने तक उसके महल में रहने का वरदान दिया। धार्मिक मान्यता के अनुसार, भगवान विष्णु देवशयनी एकादशी से देवप्रबोधिनी एकादशी तक पाताल में बलि के महल में निवास करते हैं। फिर कार्तिक महीने की इस एकादशी पर अपने लोक लक्ष्मीजी के साथ रहते हैं।

भगवान विष्णु पत्थर के शालिग्राम कैसे बने

देवउठनी एकादशी के दिन तुलसी विवाह की भी परंपरा है। भगवान शालिग्राम के साथ तुलसीजी का विवाह होता है। इसके पीछे एक पौराणिक कथा है, जिसमें जालंधर को हराने के लिए भगवान विष्णु ने वृंदा नामक अपनी भक्त के साथ छल किया था।

इसके बाद वृंदा ने विष्णु जी को श्राप देकर पत्थर का बना दिया था, लेकिन लक्ष्मी माता की विनती के बाद उन्हें वापस सही करके सती हो गई थीं। उनकी राख से ही तुलसी के पौधे का जन्म हुआ और उनके साथ शालिग्राम के विवाह का चलन शुरू हुआ।

शिवपुरी में मतदान के बाद देर रात दो गुटों में खूनी संघर्ष; इलाज के दौरान तीन लोगों की मौत

शिवपुरी। जिले के नरवर थाना क्षेत्र के चकरामपुर गांव में 17 नवंबर को मतदान के बाद दो गुटों में रंजिश को लेकर खूनी संघर्ष हो गया। पथराव, आगजनी और गोलीकांड में दोनों गुटों के 12 से ज्यादा लोग घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए पहले नरवर फिर ग्वालियर रेफर किया गया था, जहां इलाज के दौरान शनिवार को ग्वालियर में एक महिला और दो युवकों की मौत हो गई। हिंसा के बाद गांव में तनाव का माहौल है। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने गांव को छावनी में तब्दील कर दिया है। एसपी रघुवंश सिंह भदौरिया भारी पुलिस बल के साथ गांव में मौजूद हैं। योगेंद्र उर्फ गोला पुत्र मुन्ना भदौरिया का गांव के ही दिनेश कुशवाह से दो माह पहले विवाद हो गया था। तभी

से दोनों परिवारों में रंजिश चली आ रही थी। 17 नवंबर को वोटिंग के बाद रात में दोनों परिवारों के युवकों में रंजिश को लेकर विवाद हो गया। इसके कुछ देर बाद ही दोनों गुटों के लोग आमने-सामने आ गए और एक-दूसरे पर पथराव शुरू कर दिया। इसके बाद दोनों गुटों ने लाठी-डंडों से एक-दूसरे पर हमला कर दिया। इस दौरान हुई गोलीबारी में कुशवाह समाज के एक युवक को गोली लग गई। इस खूनी संघर्ष के दौरान हुई आगजनी में एक बोलेरो कार भी जलकर राख हो गई।

खूनी संघर्ष में मुन्ना भदौरिया की पत्नी आशा देवी उम्र 55 वर्ष, भाई लक्ष्मण और हिमांशु सेंगर गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके अतिरिक्त मुन्ना भदौरिया के दो बेटे राजेंद्र भदौरिया और भोला भदौरिया घायल हुए थे। सभी घायलों को पहले नरवर के स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां से सभी घायलों को ग्वालियर रेफर कर दिया गया था। इस झगड़े में मुन्ना भदौरिया की पत्नी आशादेवी और आशादेवी के भतीजे हिमांशु सेंगर और लक्ष्मण भदौरिया की ग्वालियर में मौत हो चुकी है। कुशवाह परिवार के सदस्यों का उपचार भी ग्वालियर के अस्पताल में जारी है। करैरा एसडीओपी शिवनारायण मुकाती ने बताया कि पुलिस ने इस मामले में दोनों पक्षों पर बलवा सहित हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया था। एक पक्ष के तीन लोगों की मौत के बाद पुलिस ने अब हत्या की धारा बढ़ाकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

राजधानी भोपाल में 70 करोड़ की लागत से बनेगा नया इस्कॉन मंदिर, 2028 में बनकर होगा तैयार

भोपाल। भगवान कृष्ण के भक्तों के लिए राजधानी भोपाल में एक और भव्य इस्कॉन मंदिर बनने जा रहा है। यह नया मंदिर 70 करोड़ की लागत से 2028 तक तैयार होगा। रविवार को विकास स्वामी महाराज ने पटेल नगर में इसका भूमि पूजन किया। निर्माणधीन यह इस्कॉन मंदिर कई मायनों में अनोखा होगा। यह मंदिर 150000 वर्ग फुट भूमि पर निर्मित होने जा रहा है। आमजन भी मंदिर निर्माण में सहयोग कर सकते हैं।

ये कुछ होगा मंदिर में खास

समकालीन समय का यह अपनी तरह का पहला पत्थर से निर्मित मंदिर होगा, जिसमें किसी भी आरसीसी, सीमेंट या कंक्रीट का उपयोग नहीं किया जाएगा। मंदिर आने वाले, हजारों वर्षों तक अपनी महिमा बनाए रखेगा। राजस्थान के बंसी पहाड़पुर का पत्थर इस नव मंदिर के निर्माण में उपयोग होगा।

ये होगी क्षमता

मंदिर में श्री श्री गौर राधा वल्लभ विराजमान होंगे। मंदिर परिसर में दो सत्संग कक्ष जिसमें 2000 से अधिक भक्त एक साथ बैठ कर कीर्तन तथा सत्संग कर सकेंगे। प्रसादम कक्ष जहां 1000 भक्त एक साथ बैठकर प्रसाद ग्रहण कर सकेंगे। 150 ब्रह्मचारी रहने के क्षमता युक्त ब्रह्मचारी आश्रम। 100000 भक्तों लिए प्रसाद बनाने के क्षमता युक्त। 6000 वर्ग फुट में फैला एक अत्याधुनिक रसोईघर रहेगा। इसके अतिरिक्त वैदिक प्रदर्शनी के लिए ऑडिटोरियम, अतिथि कक्ष और एक गोविंदा रेस्टोरेंट भी रहेगा।

मंदिर का उद्देश्य

मंदिर का मु य उद्देश्य नागरिकों को भगवद गीता और श्रीमद्भागवतम के उपदेश सिखाना होगा, जिससे वे अपने जीवन में शुद्ध कृष्ण भक्ति का अनुशीलन कर सकेंगे और फल स्वरूप उनका जीवन शांति पूर्ण, अर्थपूर्ण और अपराध रहित रहेगा। जो एक आदर्श समाज तथा देश के परिचालन के लिए अत्यावश्यक है।

महापर्व छठ पूजा का पारण, भोपाल में भी उगते सूर्य को महिलाओं ने दिया अर्घ्य

भोपाल। ''कांच ही बांस के बहंगिया, बहंगी लचकत जाय,'' ''मारवो रे सुगवा धनुष फेक, सुग्गवा गिरय मुरझाय'', ''पहिले पहिले छठी मैया ÷ वरत कैलू तोहार÷ जैसे मधुरिम लोकगीतों के साथ सोमवार सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य दिया गया। इसके पहले भक्तिमय एवं आस्था के साथ बिहार तथा उत्तर भारत का सबसे बड़ा त्यौहार महापर्व छठ के तीसरे दिन 19 नवंबर, रविवार को सूर्यदेव की आराधना के लिए अस्ताचल सूर्य को (प्रथम अर्घ्य) देकर उपवास किया गया। महापर्व छठ पूजनोत्सव के भव्य आयोजन में लगभग 25 हजार श्रद्धालु एवं भक्त

शामिल हुए।

ऐसे होती है पूजा

छठी मैया के इस महापर्व में साक्षात देव सूर्य भगवान को बाँस के बने सूप में ठेकुआ, गन्ना, संतरा, सेव, मह्तावी, केला, मुली, सुथनी, हल्दी, नारियल, पुआ, लडुआ जैसे प्रकृति प्रदत अनाजों को पूर्ण पवित्रता एवं स्वच्छता के साथ परंपरागत रूप से तैयार प्रसाद के साथ पानी के कुंड में खड़े होकर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है।

की गई विशेष व्यवस्था

इस महापर्व के सफल एवं पवित्रता के साथ आयोजन के लिए छठ पूजा आयोजन समिति एवं बिहार सांस्कृतिक परिषद् की ओर से हर वर्ष की तरह इस वर्ष 64वें आयोजन में विशेष व्यवस्था की गई थी। एक महीने पूर्व से छठ घाट स्वच्छता अभियान को जारी रखते हुये पवित्रता एवं स्वछता के महापर्व छठ पूजनोत्सव की व्यापक तैयारी की गई थी, जिसमें समिति के सदस्यों एवं छठव्रती श्रद्धालुगण ने नगर निगम एवं बीएचईएल प्रशासन की सहायता से पूरे घाट एवं कुंड की सफाई की गई थी।

'सूर्यमान रहो गतिमान रहो' के जयघोष के साथ दौड़े तीन हजार धावक, तीन श्रेणियों में हुए आयोजन

भोपाल। युवाओं में खेल भावना को बढ़ाने तथा स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए सेना के मध्य भारत एरिया के तत्वावधान में सूर्या हॉफ मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। तीन श्रेणियों में आयोजित की गई मैराथन दौड़ में तीन हजार प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इन प्रतिभागियों ने 'सूर्यमान रहो गतिमान रहो' के जयघोष के साथ दौड़ लगाई। गौरतलब है कि 15 जनवरी 2024 होने वाले सेना दिवस परेड का आयोजन इस बार लखनऊ स्थित मध्य भारत एरिया के मु यालय में होना है। इसी क्रम में उक्त सूर्या हॉफ मैराथन दौड़ का आयोजन रविवार को किया गया। सूर्या हॉफ मैराथन में बड़ी सं या में सैन्य और नागरिक

प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। सैन्य कर्मियों, पुलिस कर्मियों, फिटनेस उत्साही, एनसीसी कैडेटों, महिलाओं, स्कूली बच्चों और स्थानीय नागरिकों ने स्वेच्छा से भाग लिया और सभी के लिए स्वास्थ्य और फिटनेस को बढ़ावा दिया।

लेि टनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि, जीओसी-इन-सी सेंट्रल कमांड, लेि टनेंट जनरल एमके दास, जीओसी मध्य भारत एरिया, जबलपुर और मीता दास, जोनल आवा अध्यक्षा, द्वारा प्रत्येक श्रेणी को कोबरा ग्राउंड से अलग-अलग समय पर मैराथन को लैग ऑफ किया गया। विभिन्न आयु वर्गों के लिए 21 किलोमीटर, 10 किलोमीटर और 5 किलोमीटर की दूरी निर्धारित की गई थी। 21 किमी की हॉफ मैराथन के लिए ओपन पुरुष वर्ग में बंगरिया विक्रम भरत सिंह और महिला ओपन वर्ग में प्राजक्ता गोडबोले ने प्रथम स्थान हासिल कर 50-50 हजार रुपयों का नकद पुरस्कार प्राप्त किया। 10 किलोमीटर दौड़ के लिए 25-25 हजार रुपये का नकद पुरस्कार अनिल कुमार यादव और रिया राजेश दोहतरे ने जीता। 5 किलोमीटर के लिए 10-10 हजार रुपये का नकद पुरस्कार सौरव अशोक तिवारी ने और मिताली दीपक भोयर ने जीता। दौड़ के सभी फिनिशर्स को पदक और प्रमाण पत्र भी दिए गए। इसके अलावा इस मैराथन में सबसे कम उम्र की चार वर्षीय प्रज्ञा भदौरिया ने 5 किमी की दौड़ को मात्र 26 मिनट में पूरा कर सबके लिए उदाहरण प्रस्तुत किया और उन्हें पुरस्कृत भी किया गया।

प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करने के लिए 2023 एशियाई खेलों के पदक विजेता और पदमश्री एवं अर्जुन पुरस्कार प्राप्तकर्ता खिलाड़ियों ने भाग लिया। कोबरा ग्राउंड में भारतीय सेना की डेयर डेविल्स बाइक स्टंट टीम और आधुनिक हथियारों एवं उपकरणों की प्रभावशाली श्रृंखला का प्रदर्शन दर्शकों के लिए एक आकर्षण का केंद्र रहा। इस मैराथन में देश के सभी हिस्सों से नागरिकों ने हिस्सा लिया।

अनोखा मेला जहां फिल्मी सितारों के नाम से बिकते हैं गधे, दांत देखकर तय होती है कीमत

उज्जैन। देशभर में प्रसिद्ध गदर्भराजों (गधों) का मेला एकादशी से पूर्णिमा तक प्रतिवर्ष क्षिप्रा नदी किनारे लगाया जाता है। 20 से 45 हजार तक इनकी कीमत होती है और इनकी खरीद-फरो त फिल्मी सितारों के नाम से होती है। इस बार 23 नवबंर से इसकी शुरूआत हो रही है। उससे पहले पशुओं का कारोबार करने वाले व्यापारियों का आना शुरू हो गया है। दो दिनों में यहां चार से पांच हजार गदर्भराज और खच्चर पहुंच जाएंगे।

क्षिप्रा नदी के किनारे कार्तिक मेला ग्राउंड के पास देवप्रबोधनी एकादशी से गधों का मेला लगाने की वर्षो पुरानी प्रथा चली आ रही है। धार्मिक नगरी में लगने वाला यह मेला देशभर में काफी प्रसिद्ध भी है। तीन दिन बाद मेले की शुरूआत होने जा रही है। जिसको लेकर देश के अलग-अलग राज्यों से पशुओं का कारोबार करने वाले व्यापारियों का आना शुरू हो चुका है। दर्जनों की सं या में गदर्भराज के साथ खच्चर मेला ग्राउंड के पास चहल-कदमी करते दिखाई दिये। दो दिनों में हजारों की सं या में गधों और खच्चरों के पहुंचने का अनुमान लगाया गया है।

देशभर के कई राज्यों से पहुंचते हैं खरीदार

गधों का कारोबार करने वाले व्यापारी अशोक प्रजापत ने बताया कि जहां देशभर से व्यापारी यहां आते है, वहीं खरीदार भी अलग-अलग राज्यों से यहां पहुंचते हैं। पांच दिनों तक यहां सुबह से शाम तक खरीद-फरो त का सिलसिला बना रहेगा। फिलहाल 20 हजार से 45 हजार तक के गधे और खच्चर पहुंच चुके है। आधुनिक उपकरणों के युग में अब भी इन पशुओं का उपयोग सामान ढोने के लिये छोटे इलाकों में किया जाता है। गधे और खच्चर उबड़-खाबड़ स्थानों से ऊंचाई पर भी आसानी के साथ सामान लेकर पहुंच जाते हैं।

अभिनेताओं के नाम से होती है पहचान

गधों के मेले में पशुओं का नाम फिल्मी सितारों के नाम पर रखा जाता है। जैसे सलमान, शाहरुख, करीना, कटरीना शामिल होते हैं। वर्षभर में प्रसिद्ध होने वाला बड़ानाम भी इन पशुओं को दिया जाता है। कारोबार के दौरान इन्हें प्रचलित नाम से ही पुकारा जाता है। खरीदार गधों और खच्चरों की कद-काठी के साथ उम्र देखकर बोली लगाते है। गधों की कीमत उसके दांत देखकर लगाई जाती है। इस अनूठे मेले को देखने के लिये शहरवासी भी अपने बच्चों के साथ पहुंचते है। क्षिप्रा किनारे लगने वाले गधों के मेले से पशुओं का कारोबार करने वालों को काफी उमीद बनी रहती है।

आचार संहिता के कारण अटका कार्तिक मेला

पांच दिनों तक चलने वाले गधों का मेला समाप्त होते ही पूर्णिमा से क्षिप्रा नदी किनारे लगने वाले कार्तिक मेले की शुरूआत हो जाती है। लेकिन इस बार आदर्श आचार संहिता लागू होने और विधानसभा चुनाव के चलते अब तक कार्तिक मेले की अनुमति नहीं मिल पाई है। एक माह तक आयोजित होने वाले कार्तिक मेले में भी देशभर से व्यापारी और झूला करोबारी आते हैं। झूला कारोबारी तो कुछ दिन पहले ही मेला ग्राउंड पहुंच गये थे, उन्होंने जगह आवंटित करने की गुहार भी नगर निगम अधिकारियों से लगाई थी। वहीं, दुकान लगाने वाले व्यापारियों ने भी ऑफ लाइन दुकानें आवंटित करने की बात कहीं थी, लेकिन अब तक मेला आयोजित किए जाने का निर्णय नहीं लिया जा सका है।

भोपाल में महिला वोटिंग का प्रतिशत बढ़ा, लाडली बहना से महिलाएं खुश, लेकिन महंगाई बड़ा मुद्दा

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए 17 नवंबर को हुई वोटिंग में महिलाओं का प्रतिशत बढ़ा है। भोपाल की 4 विधानसभा सीटों पर महिलाओं का वोटिंग आंकड़ा बढ़ा है। बैरसिया भोपाल उत्तर, गोविंदपुरा और हुजूर विधानसभा में महिलाओं का वोटिंग प्रतिशत बढ़ा है। बता दे साल 2018 के विधानसभा में भोपाल में कुल 65.47त्न मतदान हुआ था इनमें पुरुषों की सं या 66.10त्न और महिलाओं की 64.78 प्रतिशत थी। वहीं थर्ड जेंडर ने 21.74त्न मतदान किया था। लेकिन इस बार पुरुष,महिला और थर्ड जेंडर की वोटिंग परसेंटेज में इजाफा हुआ है। कुल 67.47त्न पुरुष, 65.67 महिला और 43.02 प्रतिशत थर्ड जेंडर ने वोट डाले। इसी वजह इस बार 66.69त्न वोटिंग हुई है। %हम जुबां से कह ना पाए...%, कोहली को देखकर सब कुछ भूल गई अफगानी हसीना, वीडियो में बयां किया हाल-ए-दिल वन इंडिया के संवाददाता लक्ष्मी नारायण मालवीय ने मतदान के दौरान महिलाओं के साथ संवाद किया। इस दौरान महिलाओं ने उन्हें बताया कि वे शिवराज सरकार की लाडली बहन योजना से खुश है लेकिन उनके वोटिंग के और भी कई मुद्दे हैं। ज्यादातर महिलाओं ने महंगाई को बड़ा मुद्दा बताया। और आने वाली सरकार से महंगाई को कम करने के लिए अपील की। मध्य प्रदेश विधानसभा निर्वाचन-2023 में,विधानसभावार मतदान का अनन्तिम डेटा - पूरे प्रदेश में महिला मतदाताओं का प्रतिशत 76.03 और पुरुष मतदाताओं का प्रतिशत - 78.21 रहा। कुल योग 77.15 फीसदी मतदान मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव 2023 में विधानसभावार का यह अनन्तिम आंकड़ा है।

जिले में हो रहा है अमानक खाद्य सामग्रियों का व्यापार

सिवनी यशोः- खाद्य सुरक्षा व मानक अधिनियम 2007 के अंतर्गत सभी तरह के खाने व पीने की सामग्रियों का निर्माण व व्यापार करने के लिए लायसेंस देना अनिवार्य कर दिया गया है।मानक आधारों पर व्यापार को संचालित करवाने के लिए खाद्य सुरक्षा अधिकारी जिले में नियुक्त हैं लेकिन उनकी कार्रवाई सीमित होकर रह गई हैं।मु यालय समेत जिले में जमकर अमानक खाद्य सामग्री का निर्माण व व्यापार हो रहा है।वहीं अमला कार्रवाई के नाम पर कुछ दुकानों में जाकर सैंपल लेने की कार्रवाई तक सीमित हो गया है। मु यालय सिवनी में ही घरों के अलावा अनेक ऐसे स्थानों में फुलकी जैसी प्रतिदिन उपयोग में की जाने वाली खाद्य सामग्री का निर्माण हो रहा है जो मानक नियमों का खुला उल्लंघन कर रहे हैं।इसके अलावा नगर व जिले के लगभग सभी किराना व्यापारियों द्वारा लायसेंस लिए बिना काजू, किशमिश, बादाम व अखरोट जैसे खाद्य पदार्थों की पैकिंग कर विक्रय किया जा रहा है। जहां इन पैकेटों पर ना तो री पैकिंग करने वाली कंपनी का नाम अंकित है और ना ही पैकिंग की तिथि व ऐ सपायरी डेट लिखी होती है।दीपावली पर्व के पूर्व विभाग ने खानापूर्ति के तौर पर आधा सैकड़ा से अधिक दुकानों से मिठाई, खोवा व दूध के सेंपल एकत्र किए थे लेकिन इन सेंपलों की जांच के बाद` या परिणाम आए यह जानकारी आज तक सार्वजनिक नहीं की गई है।

एक दिन की नवजात को मुंह में दबाकर घूम रहा था स्ट्रीट डॉग, पुलिस लगा रही बच्ची के माता पिता का पता

उज्जैन। उज्जैन के आरडी गार्डी मेडिकल कॉलेज के पास एलाउंस कालोनी गेट से दोपहर को स्ट्रीट डॉग एक नवजात बालिका को मुंह में दबाकर भाग रहा था। कॉलोनी के बाहर दुकानदारों ने देखा और बालिका को छुड़ाया। बालिका मृत अवस्था में थी। वहां से गुजर रहे दीपक पिता शिखर शर्मा निवासी तिरूपति पैराडाइज कॉलोनी ने मामले से चिमनगंज थाना पुलिस को अवगत कराया। पुलिस एलाउंस कॉलोनी के गेट पहुंची और बालिका का शव अपनी कस्टडी में लिया। पुलिस के अनुसार बालिका एक दिन की होना सामने आ रही है। जिसे पोस्टमार्टम के लिये जिला अस्पताल भेजा गया है। मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू की गई है। पता लगाया जा रहा है कि स्ट्रीट डॉग की ओर से आया था और कहां से नवजात को उठाया है।

पेंच के बफर क्षेत्र में बाघिन के साथ तीन शावकों को देख रोमांचित हुए सैलानी

सिवनी यशोः- पेंच टाइगर रिजर्व के रुखड़ बफर क्षेत्र में सोमवार की सुबह सफारी पर गए सैलानी उस समय रोमांचित हो गए जब उन्होंने एक बाघिन के साथ जंगल की कच्ची सड़क पर चहल कदमी करते तीन शावकों को देखा।अनेक सैलानियों ने इस पल को अपने कैमरे में कैद किया।अब इंटरनेट मीडिया पर बाघिन के साथ चहल कदमी करते तीन शावकों का वीडियों बहुप्रसारित हो रहा है।

करीब एक घंटे तक दिखाई दिए शावक

पेंच के नेचरालिस्ट ओमवीर चौधरी ने बताया है कि पेंच टाइगर रिजर्व के रुखड़ गेट से सोमवार की सुबह सफारी पर गए सैलानियों को मासुरनाला के पास एक बाघिन तीन शावकों के साथ सड़क पर जाती हुई दिखाई दी।करीब एक घंटे तक सैलानियों को बाघिन और तीन शावकों के दीदार हुए।करीब 10 वाहनों में सवार सैलानियों ने बाघिन और तीन शावकों की चहल कदमी को निहारा।इसके बाद बाघिन शावकों के साथ घने जंगल की ओर चली गई।

पेंच टाइगर रिजर्व के कोर व बफर क्षेत्र में देश विदेश से सैलानी बड़ी सं या में सफारी का लुत्फ उठाने पहुंच रहे हैं।यहां उन्हें बाघ सहित अन्य वन्य प्राणियों के दीदार भी हो रहे हैं।इन्हें देखकर सैलानी काफी रोमांचित हो रहे हैं।पेंच राष्ट्रीय उद्यान के कोर के अलावा अब सैलानियों के बफर में सफर के प्रति रुझान दिख रहा है।इसी के चलते बफर में सफर बढ़ रहा है।खास बात यह कि बफर क्षेत्र में भी सैलानियों को दुर्लभ वन्यप्राणियों के दीदार नजदीक से हो रहे है।पेंच के बफर क्षेत्र में नेचर ट्रेल, नाइट सफारी, मचान में कैंपिंग, साइकिलिंग आदि गतिविधियां भी सैलानियों को आकर्षित कर रही है।

सब्जियों, दाल के बढ़े दामों से बिगड़ रहा बजट

सिवनी यशोः- इस समय सब्जियों के भाव आसमान छू रहे हैं।बढ़े दामों ने लोगों के घरों का बजट भी बिगाड़ दिया है।आम आदमी की थाली से हरी सब्जियां गायब होने लगी हैं।सब्जियों की आवक कम होने से हरी सब्जियों के दाम में जबरदस्त उछाल आया है। कम आय वाले परिवारों के लिए हरी सब्जी खरीदकर खाना मुश्किल हो रहा है।इधर दालों से भी लोगों को राहत नहीं मिल रही है।ठंड शुरू होने के बावजूद आवक कम होने से थोक सब्जी मंडी में हरी सब्जियों के दामों में तेजी बनी हुई है।प्याज के साथ ही फूल गोभी, भिंडी,

मैथी जैसी सब्जियों के दाम 40 से 80 रुपये किलो बने हुए हैं। वहीं इस सीजन में चना भाजी 150 रुपये किलो तक बिक रही है।इधर दालों के रेट भी अधिक होने से आम लोगों को राहत नहीं मिल रही है।वर्तमान तुअर दाल 140 से 160 रुपये के भाव बिक रही है।लोगों का कहना है कि बाजार में सब्जियों के दाम मंहगे चल रहे हैं।समझ में नहीं आता कि` या सब्जी खरीदें। कोई भी सब्जी 40 रुपये प्रतिकिलो से नीचे नहीं है।हालांकि सब्जी बिक्रेताओं का कहना है कि आने वाले कुछ दिनों में लोकल सब्जियों की आवक होने से दाम में कमी आएगी।

सीएम शिवराज ने खाद वितरण व्यवस्था की समीक्षा की, उर्वरक की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने दिए निर्देश

भोपाल। मु यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को मतदान के चार दिन बाद खाद वितरण की समीक्षा की। उन्होंने खरीफ उर्वरक व्यवस्था और रबी बोवनी की स्थिति की समीक्षा की। मु यमंत्री ने कहा कि मौसम विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार अगले दो से तीन दिन में प्रदेश में वर्षा की संभावना है। इसके बाद उर्वरक की मांग बढ़ेगी। अतः सभी केंद्रो पर उर्वरक की पर्याप्त उपलब्धता और उचित वितरण व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि आंतरिक वितरण पर निगरानी की व्यवस्था सजग और सुचारू रूप से जारी रहे। इससे पहले बैठक में जानकारी दी गई अब तक रबी फसल की 81 लाख 71 हजार हे टर क्षेत्र में बोवनी हो चुकी है, जो गत वर्ष 5.33 प्रतिशत अधिक है। सीएम ने यूरिया, डीएपी, एनपीके, एसएसपी की संभागवार उपलब्धता, विक्रय तथा शेष स्टॉक की स्थिति की जानकारी भी प्राप्त की। बैठक में बताया गया कि उर्वरकों का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। विपणन संघ के 422 विक्रय केंद्र संचालित है। विपणन सहकारी समितियों के 154 विक्रय केंद्रों से नगद उर्वरक विक्रय आरंभ किया गया है। विपणन सहकारी समितियां द्वारा अतिरिक्त 92 विक्रय केंद्र आरंभ किए गए हैं और किसानों को लाइन से बचने के लिए टोकन व्यवस्था की जा रही हैं।

सिवनी यशोः- हाल ही में संपन्न हुये बरघाट विधानसभा चुनाव में पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल बादलपार कांग्रेस मंडलम के पूर्व अध्यक्ष कलीम खान को 6 वर्ष के लिए कांग्रेस पार्टी से निष्कासित किया गया।

भोपाल में 4 शिक्षक एवं 1 सहायक ग्रेड तीन निलंबित, 2 शिक्षकों को कारण बताओ नोटिस

भोपाल। कले टर आशीष सिंह ने सोमवार को सुबह रुनाहा नजीराबाद एवं सूरजपूरा के शासकीय प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उनके निरीक्षण में कई शिक्षक और शिक्षिकायें अनुपस्थित मिले। इस पर कले टर ने नाराजगी जाहिर करते हुए अनुपस्थित शिक्षक, शिक्षिका के विरुद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिये। इसी कड़ी में जिला शिक्षा अधिकारी ने 4 शिक्षकों और एक लिपिक को निलंबित, 2 को कारण बताओं नोटिस एवं 2 आउटसोर्स ऑपरेटर की सेवा समाप्ति की कार्यवाही की है। नजीराबाद की प्रभारी प्रधान अध्यापिका की दो वेतन वृद्धि रोकी गई है।इस दौरान उनके साथ सीईओ जिला पंचायत श्री ऋतुराज सिंह, एसडीएम श्री विनोद सोनकिया सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। कले टर आशीष सिंह ने शास.उ.मा.वि.रूनाहा, शास. माध्य. शाला नजीराबाद, शा.मा.शा. सूरजपुरा का औचक निरीक्षण किया एवं विद्यालयों की व्यवस्था का अवलोकन किया।

इन पर की गई कार्रवाई

कले टर के औचक निरीक्षण में अनुपस्थित शिक्षक सुशीला सोलंकी माध्यमिक शिक्षक, शुभम सिंह सहायक ग्रेड तीन, कुमुद कुशवाह प्राथमिक शिक्षक, मीना चतुर्वेदी, प्रा.शि. एवं नानक प्रसाद अहिरवार, प्रा.शि. को निलंबित किया गया है। इसी के साथ नीलम शर्मा उ.मा.शि. एवं आरती त्रिपाठी उ.मा.शिक्षक को कारण बताओ नोटिस जारी किये है। विद्यालयों में निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित मिले दो आउटसोर्स ऑपरेटर कान्हा मीणा एवं भजन गौर की सेवा समाप्त की गई है। शासकीय माध्यमिक विद्यालय नजीराबाद की प्रभारी प्रधान अध्यापिका की दो वेतन वृद्धि रोकी गई है।

आंगनवाड़ी केंद्र मिला बंद, सेवा समाप्त

कले टर ने सोमवार को ग्राम सूरजपूरा बैरसिया के आंगनवाड़ी केंद्र का भी औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान आंगनवाड़ी केंद्र बंद पाया गया एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता अनुपस्थित मिली। इस पर कले टर ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ता राजकंवर की सेवा समाप्ति के निर्देश दिए साथ ही परियोजना अधिकारी प्रियंका दीवान का सात दिन का वेतन काटने एवं दो वेतन वृद्धि रोकने की कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

फोरव्हीलर वाहनों के कारण नेहरू रोड में बार-बार लग रहा जाम

सिवनी यशोः- शहर की सबसे व्यस्त नेहरू रोड में पार्किंग का अभाव व एकांकी मार्ग घोषित नहीं होने से दिन में कई बार जाम लग रहा है।इससे इस मार्ग से आने जाने वाले लोगों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।शुक्रवारी से नगरपालिका तक नेहरू रोड में विभिन्न दुकाने संचालित है।इन दुकानों के सामने सड़क पर ग्राहकों के वाहन बड़ी सं या में खड़े रहते हैं।इसके कारण सड़क सकरी हो जाती है और जाम लगने की स्थिति निर्मित हो जाती है।सबसे ज्यादा जाम की स्थिति नगर पालिका से छोटी पुलिस लाइन पहुंच मार्ग तक बनती है।

यहां ज्वेलर्स दुकानों के सामने आधी सड़क तक लोगों के वाहन खड़े रहते हैं।ऐसे में सड़क पर आने जाने की जगह नहीं बचती है।इसी स्थान पर बार-बार जाम की स्थिति बनती है।पुलिस व यातायात विभाग द्वारा इस ओर ध्यान देकर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।लोगों का कहना है कि यदि सड़क पर वाहन खड़े होना बंद हो जाएं तो जाम की समस्या से काफी हद तक निजाद मिल सकती है।शहर के लोगों ने बताया है कि शुक्रवारी से नगरपालिका तक नेहरू रोड को कुछ साल पहले एकांकी मार्ग घोषित किया गया था।इस दौरान इस मार्ग से एक ही ओर से फोर वीलर वाहनों के आवागमन की अनुमति थी।कुछ ही सालों बाद इस मार्ग को फिर सामान्य कर दिया गया।इसके कारण इस मार्ग में दोनों ओर से फोर वीलर वाहन आना-जाना कर रहे हैं।इनके कारण भी दिन में कई बार जाम की स्थिति बन रही है।इसके अलावा शुक्रवारी से बड़े जैन मंदिर के बीच महाराष्ट्र बैंक शाखा व श्रीराम मंदिर के पास भी दिन में अनेक बार जाम लग रहा है।इससे लोगों को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।लोगों ने पुलिस अधीक्षक से इस आरे ध्यान देकर नेहरू रोड व शुक्रवारी से बड़े जैन मंदिर के बीच बार-बार जाम लगने की परेशानी से निजात दिलाने की मांग की है।

डेंगू पर रोक लगाने में स्वास्थ्य विभाग नाकाम, 14 नए मरीज मिले

भोपाल। डेंगू पर रोक लगाने में स्वास्थ्य विभाग का अमला पूरी से नाकाम नजर आ रहा है। राजधानी में डेंगू के 14 नए मरीज मिले हैं। डेंगू मरीजों की कुल सं या 775 पर पहुंच गई है। स्वास्थ विभाग का अनुमान था कि जैसे-जैसे ठंड बढ़ेगी वैसे वैसे डेंगू मरीजों की सं या में गिरावट आने लगेगी। लेकिन ठंड बढ़ने के बावजूद डेंगू के प्रकोप के कोई कमी नहीं आई है। ऐसे में के हेल्थ विभाग के सारे दावे फैल हो गए हैं।

बीते साल से अधिक

बता दें, इस साल राजधानी में बीते साल के मुकाबले डेंगू के ज्यादा मरीज हैं। ये सिलसिला अभी भी जारी है। साल 2022 में डेंगू के 675 केस सामने आए थे जबकि इस साल ये सं या 775 पर पहुंच गई है। पिछले साल के मुकाबले अब तक 100 मरीज अधिक डेंगू की चपेट में आ चुके हैं। इधर, स्वास्थ अमला डेंगू पर काबू पाने की बात कर रहा है लेकिन विभाग की तमाम कोशिशें नाकाम होती दिख रहीं हैं।

ऐसे पहचाने डेंगू

डेंगू संक्रमण से रक्त में डी-डाइमर का स्तर बढ़ सकता है और इसके परिणामस्वरूप शरीर में दर्द, सीने में तेज दर्द, तेज बुखार, सांस लेने में परेशानी और हाथ या पैर की त्वचा के रंग में बदलाव हो सकता है। फाइब्रिनोजेन परीक्षण (fibrinogen test) फाइब्रिनोजेन के स्तर की जांच करने के लिए यह परीक्षण किया जाता है।

कैसे करें बचाव

डेंगू से बचने के लिए अपने आस पास सफाई रखें। मच्छरों को पनप ने न दें, दवा का छिड़काव करें। डेंगू में सबसे पहले लू जैसे लक्षण सामने आते हैं और यह 2-7 दिनों तक रहता है। बुखार आने की स्तिथि में तुरंत डॉ टर से संपर्क करें।

डैम में पानी भरने से टापू पर फंसे कुछ वानर; रेस् यू की कोशिशें हो रही नाकाम, तादाद को लेकर भी संशय

भोपाल। मध्य प्रदेश के बुरहानपुर में पिछले साल ही वन क्षेत्र में बने भावसा डैम में अचनाक हुई बारिश का पानी भरने के चलते कुछ बंदरों की जान पर बन आई है। हालांकि वन अमले सहित जिला प्रशासन इन बंदरों का रेस् यू करने की कोशिश तो जरूर कर रहा है। लेकिन अब तक कोई कारगर उपाय न होने के चलते अभी तक ये बंदर जंगल में पानी भरने से टापू बने एक क्षेत्र के कुछ पेड़ों पर फंसे रह गए हैं। बंदरों की सं या को लेकर भी अलग-अलग बातें कही जा रही हैं। जिला प्रशासन का मानना है कि टापू बन चुके जंगल में कुल चार से पांच बंदर फंसे हैं। वहीं, ग्रामीणों का मानना है कि इस क्षेत्र में पिछले छह महीने से करीब 50 से अधिक बंदर फंसे थे, जिनका समय पर रेस् यू न किए जाने के चलते अब करीब चार से पांच वानर ही बचे हैं। बाकी सभी ने भूख से तड़प कर जान दे दी है।

बुरहानपुर जिले में बना भावसा डैम इन दिनों चर्चा में है। करीब 104 करोड़ रुपये की लागत से अमरावती नदी पर जिले की अब तक की सबसे बड़ी परियोजना बनी है। इससे उ मीद तो थी कि आसपास के करीब सात गांवों के 3,750 हे टेयर के क्षेत्र में सिंचाई होगी और इन गांवों के किसानों की फसलें लहलहाएंगी। लेकिन लगभग छह महीने पूर्व बने इस बांध में अचानक हुई जोरदार बारिश के चलते पानी भर गया। इससे आसपास के क्षेत्र में भी टापू जैसी स्थिति बन गई। इन्हीं टापू बने क्षेत्रों में से डैम के करीब के एक टापू पर लगे कुछ पेड़ों पर बारिश के समय वन क्षेत्र में घूम रहे बंदर फंस गए, जो कि जलभराव को पार नहीं कर सके। उसके बाद वे पेड़ों की छाल खाकर जीवन के लिए संघर्ष करने लगे। लेकिन ग्रामीणों के अनुसार अब समय गुजरने के साथ-साथ पेड़ों की छाल भी खत्म हो चली है। इसलिए वहां फंसे वानरों की अब जान के लाले पड़ने लगे हैं।

वानरों की सं या को लेकर हैं अलग-अलग दावे

यहां फंसे वानरों की सं या को लेकर भी अलग-अलग बातें कही जा रही हैं। जिला प्रशासन की मानें तो यहां केवल तीन से चार वानर ही फंसे हुए हैं। वहीं, आसपास के ग्रामीणों के अनुसार यहां फंसे हुए करीब 50 से अधिक वानरों में से अधिकतर वानर भूख से तड़प-तड़प कर वन क्षेत्र में ही मर गए और अब मात्र तीन से चार ही बचे हुए हैं। हालांकि जिला प्रशासन ने पेड़ों पर फंसे इन वानरों का रेस् यू करने के लिए महाराष्ट्र से तैराक भी बुलाए। साथ ही वन अमले ने भी कोशिश की। लेकिन पेड़ों पर चढ़कर वानर को नीचे उतारना घातक साबित हो सकता है। ऐसे में वानर हिंसक होकर वन अमले को ही नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसलिए यह तरीका भी

कारगर साबित नहीं हुआ। इसके बाद वन अमले ने वहां नाव छोड़कर उस पर वानरों के बैठने का इंतजार भी किया। लेकिन वानर नीचे उतरकर नाव पर भी नहीं बैठे। इस वजह से यहां मौजूद तीन से चार बंदरों का अभी तक रेस् यू का काम नहीं हो पाया है।

सात-आठ दिन पहले हुई बारिश से फंसे वानर

वहीं, क्षेत्र के वन अधिकारी एसडीओ फॉरेस्ट अजय सागर का कहना है कि यहां 50 बंदर होने की बात गलत है। केवल तीन से चार बंदर हैं जो की भावसा डैम बनने के समय वहां बैठे हुए थे और अचानक पानी भरने के चलते वहीं फंस गए हैं। वन अधिकारी के अनुसार इन पेड़ों की भी कटाई होना थी, लेकिन ग्रामीणों ने अपनी धार्मिक आस्था के चलते इन पेड़ों को काटने नहीं दिया था। जिन पर अब यह वानर फंस गए हैं। उन्होंने कहा कि इन्हें बचाने के लिए तैराक भी बुलाए थे और नावें भी रखवाई थीं। लेकिन यह वन्य प्राणी हैं इसलिए उछल कूद करते रहते हैं। हालांकि उनके अनुसार ग्रामीणों ने उन्हें भी वानरों की मौत का बताया है, पर अभी मौके का मुआयना नहीं हो पाया है। हालांकि इनके रेस् यू के प्रयास वन अमले द्वारा किए जा रहे हैं। ये वानर करीब सात-आठ दिन पहले हुई बारिश के बाद से यहां फंसे हुए हैं।

धूमधाम से निकाली गई भगवान महाकालेश्वर की पहली सवारी

उज्जैंन। उज्जैन में श्रावण-भाद्रपद माह की तरह श्री महाकालेश्वर भगवान की कार्तिक माह में पहली सवारी 20 नवंबर सोमवार शाम चार बजे श्री महाकालेश्वर मंदिर से निकाली गई।

सवारी निकलने के पूर्व सोमवार शाम चार बजे महाकालेश्वर मंदिर के सभामंडप में भगवान श्री मनमहेश का विधिवत पूजन-अर्चन किया गया। पूजन शासकीय पुजारी घनश्याम शर्मा द्वारा किया गया।

पूजन-अर्चन के दौरान मंदिर प्रबंध समिति के प्रशासक संदीप कुमार सोनी, सहायक प्रशासक मूलचंद जूनवाल, प्रतीक द्विवेदी और सहायक प्रशासनिक अधिकारी आरके तिवारी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। सवारी जैसे ही मंदिर के मु य द्वार पर पहुंची, पालकी में विराजित भगवान को पुलिस के

जवानों द्वारा सलामी दी गई।

भगवान श्री मनमहेश अपनी प्रजा का हाल जानने भ्रमण पर निकले। कार्तिक माह की प्रथम सवारी विधिवत पूजन-अर्चन के बाद श्री महाकालेश्वर मंदिर से गुदरी चौराहा, बक्षी बाजार और कहारवाडी होते हुए रामघाट क्षिप्रा तट पहुंची। जहां पर भगवान श्री मनमहेश का मां क्षिप्रा के जल से अभिषेक किया गया।

पूजन अभिषेक के पश्चात सवारी रामघाट से गणगौर दरवाजा, मोढ़ की धर्मशाला, कार्तिक चौक, खाती का मंदिर, सत्यनारायण मंदिर, ढाबा रोड, छत्री चौक, गोपाल मंदिर, पटनी बाजार, गुदरी चौराहा होते हुए श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुंची।

भगवान श्री मनमहेश की सवारी के आगे-आगे तोपची कड़ाबीन के माध्यम से राजाधिराज के आगमन की सूचना देते हुए चल रहे थे। सवारी में मंदिर के पुजारी एवं पुरोहित, पुलिस बैंड, घुडसवार दल, सशस्त्र पुलिस बल के जवान, भजन मंडलियां व धर्म परायण जनता भगवान श्री महाकालेश्वर का गुणगान करते चल रहे थे।

श्री महाकालेश्वर भगवान की कार्तिक एवं अगहन (मार्गशीर्ष) माह में निकलने वाली सवारियां क्रमशः कार्तिक माह की द्वितीय सवारी 27 नवबर को निकाली जाएगी। वैकुंठ चतुर्दशी शनिवार 25 नवंबर 2023 को रात 11 बजे हरिहर मिलन की सवारी निकाली जाएगी। जो श्री महाकालेश्वर मंदिर से निकल कर गोपाल मंदिर जाएगी व पूजन पश्चात दोबारा महाकालेश्वर मंदिर वापस आएगी।

बस में लगी भयंकर आग, ड्राइवर ने कूद कर बचाई अपनी जान वीडियो बना रहे लोगों को पुलिस ने खदेड़ा

इंदौर। इंदौर में मंगलवार सुबह एक बस आग लगने से पूरी तरह से जल गई। हादसा नवलखा बस स्टैंड पर हुआ। फायर ब्रिगेड की टीम को जैसे ही सूचना मिली उसने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। आग लगने पर कई लोग मोबाइल से वीडियो बनाने लगे थे जिस वजह से हादसे का डर बन गया था लेकिन तुरंत भीड़ को हटाया गया और हालात संभाले गए। जब बस में आग लगी तब वह पूरी तरह से खाली थी।

एक टैंक पानी लगा

पुलिस के मुताबिक जिस बस में आग लगी है वह पाटीदार ट्रैवल्स की है लेकिन फिलहाल धारीवाल ट्रेवल्स पर अटैच है। फायर ब्रिगेड के मुताबिक उन्हें सूचना मिली थी कि पाटीदार ट्रेवल्स की बस में आग लगी है। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर भेजी गई। आग पर काबू पाने के लिए एक टैंक पानी डाला गया।

वेल्डिंग कराने जा रहा था ड्राइवर बस इंदौर से अहमदाबाद के बीच चलती है। मंगलवार सुबह ड्राइवर बस में वेल्डिंग कराने पहुंचा था। वह दुकान की तरफ जा ही रहा था। अचानक इंजन की तरफ से धुआं निकलने लगा। इसी बीच बस में आग फैल गई। ड्राइवर बस रोककर बाहर की तरफ कूद गया। फायर ब्रिगेड के मुताबिक संभवत इंजन में खराबी के चलते आग की लगने की घटना हुई है। समय रहते आग पर काबू पा लिया गया जिससे आग दूसरी जगह फैल नहीं पाई।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने लिया मतगणना की तैयारियों का जायजा

मंडला यशोः- आगामी 3 दिसंबर 2023 को विधानसभा आम निर्वाचन-2023 के लिए स्थानीय शासकीय पॉलीटैं नक कॉलेज मंडला में मतगणना

की जाएगी। मंगलवार को जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. सलोनी सिडाना ने मतगणना की तैयारियों का जायजा लिया एवं संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट, अपर कले टर राजेन्द्र कुमार सिंह, संयुक्त कले टर हुनेन्द्र घोरमारे सहित अन्य उपस्थित थे।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्देशित किया कि मतगणना से संबंधित सभी व्यवस्थाएं प्रोटोकॉल के अनुरूप पूर्ण करें। कोई भी व्यक्ति बिना प्रवेश पत्र के मतगणना स्थल पर प्रवेश नहीं करें, इसका विशेष ध्यान रखें। जो भी व्यक्ति आए उसका रिकार्ड रखें। मतगणना स्थल में मोबाईल सहित किसी भी प्रकार की इले ट्रॉनिक डिवाईस प्रतिबंधित रहेंगी। उन्होंने गणना अभिकर्ताओं एवं शासकीय सेवकों के आवागमन के लिए अलग-अलग रास्ते बनाने के निर्देश दिये। वही उन्होंने गणना कक्ष में जाकर टेबल आदि लगाने के कार्य का भी अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान कले टर ने सुरक्षा व्यवस्था, पार्किंग, मीडिया सेंटर, गणना टेबिल, डेटा फीडिंग आदि के संबंध में चर्चा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए।

जबलपुर कमिश्नर ने लल्लू बघेल के निर्वाचन को शून्य घोषित किया

सिवनी यशोः- सिवनी जिला पंचायत के अनुसूचित जाति के लिये आरक्षित वार्ड क्रमांक 1 से निर्वाचित सदस्य एवं जिला पंचायत में उपाध्यक्ष ब्रजेश लल्लू बघेल के निर्वाचन को न्यायालय कमिश्नर जबलपुर संभाग द्वारा निरस्त कर दिया गया है। पारित आदेश में कहा गया कि रिटर्निंग अधिकारी के आदेश में जिला पंचायत सिवनी के द्वारा दिनांक 15 जुलाई 2022 को ब्रजेश लल्लू बघेल को जारी निर्वाचन प्रमाण पत्र भी निरस्त किया जाता है। ज्ञात रहे कि रामप्रसाद डेहरिया पिता रामस्वरूप डेहरिया ग्राम सिमरिया निवासी द्वारा न्यायालय कमिश्नर जबलपुर संभाग के समक्ष इस वार्ड से चुनाव मैदान में उतरे 8 प्रत्याशियो के खिलाफ याचिका दर्ज कर जाति प्रमाण पत्र को लेकर आपत्तिया दर्ज कराते हुये निवेदन किया था कि मध्यप्रदेश पंचायत एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 सहपठित नियम 3 मप्र पंचायत नियम 1995 के अंतर्गत जिला सिवनी के वार्ड क्रमांक 1, 2 व 7 में अ यार्थियो के नाम निर्देशन पत्र गलत रूप से स्वीकार किये गये है, उन्हे निरस्त करने के साथ ही 7 जुलाई को रिटर्निंग आफिसर द्वारा पारित आदेश को भी निरस्त किया जाये। इस मामले में अपना फैसला सुनाते हुये कमिश्नर जबलपुर ने बताया कि दिये गये दस्तावेजो से स्पष्ट होता है कि ब्रजेश सिंह बघेल, बसंत बघेल व सुनील बघेल अनुसूचित जनजाति के सदस्य नही है। जिला पंचायत सिवनी के सदस्य हेतु निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक- 1 अनुसूचित अ यार्थी हेतु आरक्षित है। पंचायत अधिनियम के तहत सिर्फ अनुसूचित जनजाति के व्यक्ति की इस क्षेत्र से निर्वाचन हेतु पात्र होगें। इस कारण से तीनो उ मीदवारो द्वारा प्रस्तुत किये गये नाम निर्देशन पत्र स्वीकार करने वाबत दिनांक 7 जुलाई 2022 को जारी तीनो आदेश निरस्त किये जाते है।

कमिश्नर द्वारा दिये आदेश में बताया गया कि ब्रजेश बघेल अनुसूचित जाति का सदस्य नही है इस कारण मध्यप्रदेश पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम की धारा 1993 की धारा 14 (2) तथा मध्यप्रदेश पंचायत निर्वाचन अधिनियम 1995 के नियम 31 (1) के अधीन योग्य नही था। अतः निर्वाचित उ मीदवार ब्रजेश लल्लू बघेल के निर्वाचन को मप्र (निर्वाचन अर्जिया, भ्रष्टाचार और सदस्यता के लिये निरर्हता) नियम 1995 के नियम 21 (1) (क) तथा नियम 23 (ए) (ख) के प्रावधानो के अनुसार शून्य घोषित किया जाता है।

चूंकि याचिकाकर्ता को मिले मत विधिमान्य मतो का प्रतिशत 5.01 प्रतिशत है, ऐसे में याचिकाकर्त्ता रामप्रसाद डेहरिया निर्वाचित घोषित किये जाने हेतु पात्र नही है। वर्तमान स्थिति में उक्त निर्वाचन क्षेत्र के मतदाताओ का नवीन जनादेश लिया जाना उचित होगा। माननीय कमिश्नर न्यायालय ने जिला निर्वाचन अधिकारी पंचायत सिवनी को निर्देशित किया है कि क्षेत्र क्रमांक 1 के सदस्य हेतु शीघ्र निर्वाचन के लिये नियमानुसार आगे कार्यवाही की जाये। कमिश्नर जबलपुर संभाग अभय वर्मा द्वारा जारी आदेश में कंडिका क्रमांक 8 में स्पष्ट किया गया है कि याचिकाकर्ता रामप्रसाद डेहरिया के निर्वाचन याचिका का उपरोक्त अनुसार आंशिक रूप से स्वीकार किया जा रहा है।

यहाँ यह उल्लेखनीय है कि विदित रहे कि जिला पंचायत अध्यक्ष का पद अनुसूचित जनजाति के लिये आरक्षित था जहां कांग्रेस ने वार्ड क्रमांक 1 से निर्वाचित ब्रजेश लल्लू बघेल को अध्यक्ष का उ मीदवार बनाया लेकिन चुनाव के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी आपत्तियो के आधार पर ब्रजेश लल्लू बघेल द्वारा अध्यक्ष पद के लिये प्रस्तुत किये गये नाम निर्देशन पत्र को निरस्त कर दिया था। जिसके बाद हुये चुनाव में भाजपा समर्थित श्रीमती मालती डेहरिया को जिला पंचायत अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया जा चुका है हालांकि लल्लू बघेल ने उपाध्यक्ष पद के लिये अपना नामांकन पत्र उसी दिन दाखिल किया था जहां सामान्य वर्ग के लिये आरक्षित उपाध्यक्ष के पद पर वे बहुमत के साथ निर्वाचित हुये थे। ज्ञात रहे कि जिला पंचायत अध्यक्ष पद के चुनाव के दौरान ब्रजेश लल्लू बघेल के नामांकन पत्र को निरस्त किये जाने के बाद कांग्रेस की ओर से जमकर हंगामा किया गया था अधिवक्ताओ के एक प्रतिनिधि मंडल ने निर्वाचन अधिकारी सिवनी के समक्ष आपत्तिया प्रस्तुत की थी लेकिन उसे स्वीकार नही किया गया था।

हम अपील में उच्च न्यायालय में अपील करेंगे और मजबूती से अपना पक्ष रखेंगे - लल्लू बघेल

निर्वाचन को शून्य घोषित करने में माननीय कमिश्नर न्यायालय ने निर्णय दिया है हम अपने तथ्यों को और मजबूती के साथ उच्च न्यायालय में अपील करते हुये प्रस्तुत करेंगे। बागरी समाज के द्वारा इस क्षेत्र से इसके पूर्व भी आरक्षण के तहत प्रतिनिधित्व किया गया है जिसमें मेरे घर के व्यक्ति निर्वाचित हुये थे। यह निर्वाचन क्षेत्र बागरी समाज को अनुसूचित जाति वर्ग का मानते हुये आरक्षित किया गया है यह सारे तथ्य आगे की कानूनी प्रक्रिया में मजबूती के साथ रखे जायेंगे और मुझे पूरा विश्वास है कि बागरी समाज को उनका अधिकारी स माननीय न्यायालय दिया जायेगा।

थाना महाराजपुर पुलिस ने अंग्रेजी शराब किया जब्त

मंडला यशोः- विधानसभा चुनाव के मद्देनजर मंडला पुलिस अधीक्षक द्वारा शराब के अवैध परिवहन, निर्माण एवं विक्रय पर कार्यवाही हेतु समस्त थाना एवं चौकी प्रभारियों को निर्देशित किया गया हैं। इसी तारत य में थाना महाराजपुर पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर दबीश देकर अवैध शराब जब्त कर कार्यवाही की गई। दिनांक 15/11/2023 को ग्राम नेवरगांव महाराजपुर रवाना भ्रमण के दौरान मुखबिर से सूचना मिली की करन बैरागी निवासी स्वामी सीताराम मंडला का गोवा जें शन होटल नेवरगांव मे अपने कब्जे मे बिक्री के आशय से देशी प्लेन मदिरा व अंग्रेजी शराब रखा हुआ है। सूचना से मुखबिर सूचना से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराकर मौके पर जाकर घेराबंदी कर शराब रेड कार्यवाही की गई। जो एक व्यक्ति अपने कब्जे में एक प्लास्टिक के थैले मे 1. ओल्ड मंक रम दो बाटल प्रत्येक 750 एमएल की कीमती 1230 रूपये, 2. रोयल स्टेग विहस्की के 04 क्वार्टर प्रत्येक 180एमएल का कीमती 1100

रूपये, 3. बकार्डी लेमन के 4 क्वार्टर प्रत्येक 180 एमलए का कीमती 1140 रूपये, 4. अंग्रेजी शराब एमडी नं 1 रम के 4 क्वार्टर प्रत्येक 180 एमएल का कीमती 600 रूपये, 5. अंग्रेजी शराब जीनियस के 13 क्वार्टर प्रत्येक 180 एमएल का कीमती 1430 रूपये, 6. देशी प्लेन मदिरा के 05 क्वार्टर प्रत्येक 180 एमएल का कीमती 325 का जो कुल शराब 06 लीटर 800 एमएल कुल कीमती 5825 रूपये की रखे मिला। व्यक्ति का नाम पता पूछने पर अपना नाम करन बैरागी पिता गोलन दास बैरागी उम्र 22 साल निवासी स्वामी सीताराम वार्ड मंडला (फूलवाड़ी) थाना कोतवाली मंडला जिला मंडला का होना बताया। आरोपी से शराब रखने के सबंध में वैद्य दस्तावेज पेश करने को बोला गया जो नहीं होना बताया। उक्त शराब मुताबिक जप्ती पत्रक उक्त गवाहों के समक्ष जप्त कर कब्जा पुलिस में लिया गया। आरोपी का कृत्य धारा 34(1) आबकारी अधिनियम का होने से थाना महाराजपुर में अपराध पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया।

धर्मगुरूओं की उपस्थिति में यज्ञ शाला का हुआ भूमिपूजन .17 दिसंबर से अष्टलक्ष्मी महायज्ञ का होगा आयोजन

मण्डला यशोः- जिला मु यालय के देवदरा मार्ग स्थित मेहर बाबा कुटी प्रागंण में 17 दिसंबर से 25 दिसंबर तक आयोजित श्री अष्टलक्ष्मी महायज्ञ एवं श्रीमद् भागवत कथा के आयोजन को लेकर रविवार को यज्ञशाला के निर्माण हेतू भूमि पूजन किया गया। यज्ञ संयोजक नीलू महाराज, साध्वी कल्पना माता, संत शारदात्मानंद जी महाराज, रामदास जी महाराज, सच्चिदानंद जी महाराज सूर्य मंदिर नावघाट, योगी रामेश्वरम नाथ जी महाराज, सच्चिदानंद जी महाराज सहस्त्रधारा एवं प्रधान यजमान श्रीगोवर्धन प्रसाद अग्रवाल एवं श्रीमति हेमलता अग्रवाल एवं अन्य यजमानों व भक्तों की उपस्थिति में भूमिपूजन किया गया। यहां पं. शिवम दुबे के द्वारा वैदिक मंत्रो से पूजन अर्चन कराया गया। भगवान श्रीकृष्ण व वीर हनुमान की पूजन अर्चन के साथ यज्ञ शाला के लिए भूमिपूजन हुआ। इस अवसर पर यज्ञ आयोजक नीलू महाराज ने उपस्थित धर्मप्रेमियों को बताया कि श्री अष्ट लक्ष्मी महायज्ञ में ज्योतिष पीठाधीश्वर जगतगुरु शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी महाराज को आमंत्रण दिया गया है। उन्होंने आनंद पूर्वक यज्ञ स पन्नता का आशीर्वाद प्रदान करते हुए यज्ञ में अपनी उपस्थिति का विचार स प्रेषण किया है।

इस महायज्ञ में अनंत श्री स पन्न श्री जगदगुरू शंकराचार्य महाभाग स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी महाराज ज्योतिष बद्रिकाश्रम पीठाधीश्वर का आगमन होने जा रहा है। जिन्होंने यज्ञ में शामिल होने की अनुमति दी है। मण्डला में पहली बार दो-दो शंकराचार्यो का एक साथ आना महज संयोग है। वहीं तीसरे प्रमाणित पीठ पर प्रतिष्ठित शंकराचार्य को लाने का प्रयास किया जा रहा

है। यहां बीते दिनों पहले श्रीअष्ट लक्ष्मी यज्ञ को लेकर मेहर बाबा कुटी यज्ञ स्थल में ध्वज स्थापित कर किया गया है।

35 पवित्र नदियों चार समुद्रों का जल एवं 24 तीर्थो की मिट्टी छोड़ी जायेगी कलशों में

इस यज्ञ शाला के अंदर के कलशों में 35 पवित्र नदियों का जल एवं चार समुद्रों का जल एवं 24 तीर्थों की मिट्टी छोड़ी जायेगी जिनमें नैमिसारन्य, काशी, वृंदावन, चारों धाम, जगन्नाथ पुरी, रामेश्वरम, द्वारिका, बद्रीका धाम, हरिद्वार, रेवा सागर संगम पुष्कर की मिट्टी प्रमुख हैं। जो यहां यज्ञ के दौरान देखने को मिलेगी। बता दें कि यह यज्ञशाला वैदिक पद्यति से निर्मित होगी। 9 कुंडीय यज्ञ शाला में पूर्व द्वार पर शंख दक्षिण द्वार पर चक्र पश्चिम द्वार पर गदा एवं उत्तर द्वार पर कमल स्थापित किया जायेगा। वहीं खंभात की खाडी गुजरात से लाए गये अति विशिष्ट श्रीयंत्र का मान सरोवर से लाए गये श्रीयंत्र का अभिषेक होगा और रवि पुष्य योग रविवार से श्रीयंत्र का नित्य अर्चन प्रारंभ हो जायेगा जो यज्ञ पर्यन्त चलेगा।

हर पौधे के लिये विधान के अनुसार लाई गयी मिट्टी

अष्टलक्ष्मी महायज्ञ एवं श्रीमद् भागवत महापुराण यज्ञ में जिस गौर गणेश का पूजन होगा यह गौर गणेश की गोबर की मूर्ति भारत की सबसे बड़ी गौशाला जडखोर राजस्थान की गौशाला से लाई गई है यह गौशाला श्रीकृष्ण की नित्य गौ चरण स्थली है। जहां पर 40 हजार गौवंश है। सप्त मृतिका में उपयोग होने वाली गौ रज श्री सूर श्याम गौ शाला चंद्र सरोवर गोवर्धन उत्तर प्रदेश से लाई गई है। चंद्र सरोवर गोवर्धन से जल और मिट्टी लाई गई है यहां चंद्रमा का प्राकट्य हुआ था। साथ ही मानसी गंगा का जल और श्री राधा कुंड का जल गोवर्धन परिक्रमा मार्ग से लाया गया है। शोभायात्रा में राजा होंगे शामिल छत्तीसगढ की कवर्धा विरासत के वर्तमान राजा योगेश्वर राज जो भूतपूर्व 2 बार के विधायक भी रहे हैं आप श्री शोभायात्रा में शामिल होंगे। अद्भुत होगी नवग्रह बाटिका सूर्य ग्रह के उत्पत्ति स्थल कोणार्क उड़ीसा से मिट्टी लाकर अकोना का पौधा लगाया गया है। चंद्र की उत्पत्ति चंद्र सरोवर परसोली गोवर्धन से मिट्टी लाकर पलास का पौधा लगाया गया है। मंगल की उत्पत्ति मंगलनाथ उज्जैन में हुई जहां से मिट्टी लाकर खैर या गुडहल का पौधा लगाया जायेगा। बुध के लिए बोध गया से मिट्टी लाकर अपामार्ग का पौधा लगाया गया है। गुरु के लिए सिंधु या गुरुग्राम से मिट्टी लाकर पीपल का पौधा लगाया गया है। शुक्रके लिए भोजकट गुजरात से मिट्टी लाकर गूलर का पौधा लगाया गया है शनि के लिए सिगनापुर से मिट्टी लाकर शमी का पौधा लगाया गया है। राहु और केतु के लिए उज्जैन से मिट्टी लाकर दूब और कुश के पौधे लगाए गये हैं।

इस दौरान यज्ञ के सहयोगी नीरज अग्रवाल, नरेश कछवाहा, संजय चौरसिया, इंजी. राजेश ज्योतिषी, सुधीर कांसकार, राजेन्द्र उपाध्याय, राजकुमार तिवारी, कमलेश यादव, शिवशक्ति तिवारी, शारदा परते, नीलेश पांडे, उदय सचान, इन्द्रेश पमनानी, एसके साहू, शैलेष गुप्ता, राधेलाल धनगर, रामगोपाल पटैल, रामप्रसाद उपाध्याय, राकेश गुप्ता, सुनील बाली, अनुराग यादव, रमाकांत मिश्रा, चन्द्रमोहन केवट, किशोर रजक, अजय तिवारी, आरके पांडे, ओमकार रजक, देवदरा सरपंच शेर सिंह पन्द्राम, उपसरपंच नन्दू भाईजान,आकाश दीक्षित, रंजीत कछवाहा, राजा यादव, आशीष ज्योतिषी, रोहित बघेल, अनुराग यादव, संजीव ठाकुर, प्रमोद मिश्रा, चन्दू नाभिक, सतीश शु ला, प्रकाश नारायण दुबे, नीलम पांडे, किरण रजक, शिवम दुबे, राजा दुबे, होरी लाल पटैल, सरिता ठाकुर, श्रीमति विद्या दुबे, मोन्टी कछवाहा, नरेश अग्रवाल, रमेश पांडे, डॉ. विजेन्द्र शु ला, राजेश बाजपेयी सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इस दौरान पंतजलि योग समिति से सुनील बाली, रामगोपाल पटैल, राकेश गुप्ता, पूरन सिंह ठाकुर, स पत्त श्रीवास भी पहुंचे जो यहां पर कार्यक्रम के दौरान योग प्रशिक्षण शिविर लगायेंगे।

सफलतापूर्वक मतदान संपन्न कराने के लिए कले टर ने दी अधिकारी, कर्मचारियों को बधाई

मंडला यशोः - समय-सीमा एवं विभागीय समन्वय समिति की बैठक जिला योजना भवन में आयोजित की गई। बैठक में कले टर डॉ. सलोनी सिडाना ने विधानसभा निर्वाचन-2023 के लिए विगत 17 नव बर 2023 को सफलतापूर्वक मतदान संपन्न कराने के लिए जिले के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देते हुए 3 दिस बर 2023 को मतगणना कार्य भी पूरी क्षमता एवं निष्पक्षता के साथ सफलतापूर्वक संपन्न कराने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि विधानसभा आम निर्वाचन-2023 की आदर्श आचरण संहिता अभी भी प्रभावशील है जिसका सभी अधिकारी, कर्मचारी गंभीरतापूर्वक पालन करें।

कले टर ने निर्देशित किया कि सभी अधिकारी विभागीय कार्यों को गति प्रदान करें। उन्होंने स्कूल शिक्षा तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों को मध्यान्ह भोजन के खाद्यान्न का शतप्रतिशत उठाव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिला योजना भवन में संपन्न हुई इस बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट, अपर कले टर राजेन्द्र कुमार सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

उपार्जन हेतु तैयारियां पूर्ण करें

बैठक में कले टर ने 1 दिसंबर से प्रारंभ होने वाले उपार्जन की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने निर्देशित किया कि उपार्जन से संबंधित सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूर्ण करें। संबंधित अधिकारी प्रस्तावित उपार्जन केन्द्रों का निरीक्षण करते हुए चैकलिस्ट के अनुसार सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कराएं। इस संबंध में कले टर ने समिति प्रभारियों तथा क प्यूटर ऑपरेटर्स की बैठक सह प्रशिक्षण आयोजित करने के निर्देश दिए। बैठक में कले टर ने परिवहन से संबंधित बिन्दुओं पर भी चर्चा की।

गुरूकुल मंदिर में सत्संग : विपनेश के निवास में हुई मुनि श्री की आहार चर्या

सिवनी यशोः-गुरूकुल जिनालय लुघरवाडा में पूज्य मुनि श्री शाश्वत सागर जी महाराज ने अष्टाहिंका पर्व पर प्रकाश डालते हुए धर्मसभा में बताया कि वर्ष में प्रत्येक चार माह के अंतराल क्रमशः कार्तिक फाल्गुन और आषाढ़ के अंतिम आठ दिवस अष्टमी से पूर्णिमा तक आयोजित अष्टाहिंका पर्व पार जैन धर्माबलंबियो द्वारा अक्रत्रिम देवकृत नंदीश्वर द्वीप के बावन मंदिरों की वंदना की जाती है। इस काल में सामान्य मनुष्य के लिए उस द्वीप में जाना संभव नही है अतएव वर्तमान में श्रावक श्राविकाओं का समूह अपने जिन मंदिरों में ही नंदीश्वर द्वीप की रचना कर पूजन विधान कर जिनेंद्र महार्चना करते है।

नंदीश्वर द्वीप की सुंदर रचनाएं जिनालय के रूप में। पिसनहारी मढ़िया जबलपुर,टीकमगढ़ स्थित पपोरा जी अतिशय क्षेत्र,सोनागिर सिद्ध क्षेत्र एवं ललितपुर के पास गोलाकोट आदि जैन तीर्थो में बड़े ही भव्यता से नंदीश्वर द्वीप की जिनालय रूप में रचनाएं प्रतिष्ठित है। इन दिनों श्रद्धालु जन अपनी शक्ति अनुसार व्रत,उपवास, एकासन आदि ग्रहण करते है।

उल्लेखनीय है कि चित्रकारी के रूप में बड़े जैन मंदिर सिवनी में दिवाकर जी की वेदी में नंदीश्वर द्वीप का सुंदर विशाल वृत्ताकार ने शा बना हुआ है।

विपनेश जैन के निवास में हुए मुनि श्री के उपवास की आहार पारणा

24 घंटे का निर्जल उपवास कर मुनिश्री की 48 घंटे बाद आहार चर्या विपनेश जैन के निवास में निरंतराय ,निर्विघ्न स पन्न हुई। अत्यंत सादगी एवं स्वच्छता से तैयार मर्यादित सोले की भोजन सामग्री सावधानी पूर्वक मुनि श्री की आहार चर्या परिवार एवं समाज के सदस्यों ने संपन्न कराई।

कर पात्रीव पद यात्री मुनिराजो की आहार चर्या के नियमो को समझाते हुए विपनेश जैन ने बताया कि सामान्यतः 24 घंटे में 32 प्रकार के अतराय बाधाओ को टालकर दिग बर जैन मुनि आहार चर्या पर मंदिर जी से संकल्प लेकर निकलते है एवं जिस गृह में उनके संकल्प अनुसार विधि मिलती है उस गृह में वे आहार चर्या हेतु जाते है।कई कई बार कठिन संकल्प के चलते कई कई दिन मुनिराज को विधि नहीं मिलती जिससे उनका उपवास हो जाता है। विधि मिलने पर नवधा भक्ति पूर्वक श्रद्धालु उनके हाथो की अंजुली में शुद्ध आहार कराते हैं। इस कठिन चर्या के दौरान भूल वश भोज्य पदार्थो में बाल आदि पदार्थ निकल जाए तो अंतराय बाधा मान मुनि जनों की आहार चर्या वही अवरुद्ध हो जाती है और मात्र जल से मुख की शुद्धि कर अगले 24 घंटे का पुनः उपवास हो जाता है। दिगंबर जैन मुनि का आहार एक मुद्रा में ही खड़े होकर हाथ की अंजुली में ही होता है। प्रत्येक भोजन ग्रास को ग्रहण करने के पूर्व अपनी अंजुली में ही वे उस ग्रास का शोधन करते है यदि कोई अशुद्धि या बाधा का संदेह भी हो गया तो वे अगले दिवस तक उपवास ले अन्तराय कर देते है।

विगत दिवस गुरूकुल मंदिर जी की और बिहार करते हुए मुनि श्री के दर्शनों को अनायास ही कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशी आनंद पंजवानी मुनि श्री के शरणागत हुए बड़े ही प्रसन्न भाव से कुछ दूर तक पैदल चल कर आनंद ने उनका बिहार करा कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

मतगणना की सभी आवश्यक तैयारियाँ समय पर पूर्ण की जाएं - डॉ. सिडाना

मतगणना की तैयारियों के संबंध में कले टर ने ली बैठक

मंडला यशोः-- विधानसभा आम निर्वाचन-2023 के अंतर्गत 3 दिसंबर को होने वाली मतगणना के संबंध में कले टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. सलोनी सिडाना ने बैठक ली। उन्होंने मतगणना स्थल शासकीय पॉलीटैं नक महाविद्यालय में सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मतगणना के लिए अधिकारी, कर्मचारियों के नियुक्ति आदेश जारी करें तथा उनके प्रशिक्षण के कार्यक्रम आयोजित करें। कले ट्रेट के गोलमेज सभाकक्ष में संपन्न हुई इस बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट, अपर कले टर एवं उपजिला निर्वाचन अधिकारी राजेन्द्र कुमार सिंह, संयुक्त कले टर अरविंद सिंह, सीएल वर्मा, हुनेन्द्र घोरमारे सहित संबंधित अधिकारी तथा तीनों विधानसभा के रिटर्निंग अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्देशित किया कि सभी रिटर्निंग अधिकारी मतगणना संबंधी तैयारियों पर प्राथमिकता के साथ ध्यान दें। मतगणना स्थल के लिए ले-आउट तैयार कर आवश्यक कार्यवाहियाँ सुनिश्चित करें। उन्होंने गणना टेबल के संबंध में भी आवश्यक निर्देश दिए। कले टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि पोस्टल बैलेट की गणना के लिए पृथक से व्यवस्था बनायें। क प्यूटर, स्टेशनरी, परिचय पत्र सहित अन्य सामग्रियों के संबंध में आवश्यक कार्यवाही करें। मतगणनाकर्मियों के लिए चाय, नास्ता, पानी एवं भोजन सहित आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। बैठक में कले टर ने शांति एवं कानून व्यवस्था, मीडिया सेंटर एवं उद्घोषणा कक्ष आदि के संबंध में भी चर्चा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए।

दैनिक यशोन्नति की और खबरों तथा वीडिओ के लिये एप डाउनलोड करें -https://dainikyashonnati. com

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक मुद्रक राजेश अग्रवाल द्वारा,नवीन प्रिंटर्स बीझावाड़ा रोड अकबर वार्ड सिवनी से मुद्रित एवं काली चौक टैगौर वार्ड सिवनी से प्रकाशित संपादक-मनोज मर्दन त्रिवेदी ईमेल-4ड्डह्यश्च्ठ्ठह्लद्बञ्चद्दद्वड्डद्बद्य.ष्श्व न्यायालीन क्षेत्र अधिकार सिवनी , 9425843297